समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन)

सत्रीय कार्य : 2020–2021

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001 : समाज कार्य का उद्गम और विकास

एम.एस.डब्ल्यू–012 : जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय

एम.एस.डब्ल्यू–013 : परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय

एम.एस.डब्ल्यू–014 : परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता

एम.एस.डब्ल्यू.–015 : परामर्श के मूल तत्व

एम.एस.डब्ल्यू.–016 : परामर्श के क्षेत्र

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई, 2020 सत्र – 31 मार्च, 2021

जनवरी, 2021 सत्र – 30 सितम्बर, 2021

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विष्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के समाज कार्य परामर्श में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीकॉन) कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें।(पीजीडीकॉन)कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के (पीजीडीकॉन) अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षक से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. एन. रम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामुदायिक कार्य के महत्व, गुंजाइश और भविष्य की संभावनाओं पर उदाहरणों के साथ चर्चा करें। 20

अथवा

समाज कार्य में पारिस्थितिक प्रणाली सिद्धांत के विकास और जीवन मॉडल का वर्णन करें। 20

2) यूरोप में समाज कल्याण और समाज कार्य विकास पर प्राचीन समाजों के प्रभाव को स्पष्ट करें। 20

अथवा

दक्षिण एशिया में समाज कार्य अनुशासन के उद्‌भव और विकास का वर्णन करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) सामाजिक क्रिया के आवश्यक घटकों पर चर्चा करें। 10

ख) मुक्त विश्वविद्यालयों के इतिहास का पता लगाएँ। 10

ग) समाज कार्य के दायरे को परिभाषित करें और चर्चा करें । 10

घ) प्रशांत क्षेत्र में समाज कार्य अनुशासन के उद्‌भव और विकास का संक्षेप में वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) किसी पेशे के बुनियादी घटकों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) सामुदायिक विकास और सामुदायिक संगठन के बीच भेद करें । 5

ग) सामाजिक समूह के कार्य की संक्षिप्त रूपरेखा खींचे । 5

घ) दान और पेशेवर कार्रवाई के बीच अंतर को लिखें । 5

ङ) सामाजिक आंदोलन की मुख्य विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

च) प्रशासन के लिए आप किन तत्वों को महत्वपूर्ण मानते हैं? 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) आधुनिक समाज में समाज कार्य 4

ख) ऐलिज़ाबिथन पूअर लॉ (Elizabethan Poor Law) 4

ग) सामान्य प्रणाली सिद्धांत की अवधारणा 4

घ) सामाजिक न्याय 4

ङ) श्रमदान 4

च) समाज कार्य का उद्देश्य और लक्ष्य 4

छ) सामाजिक नेटवर्क 4

ज) सामान्यवादी समाज कार्यकर्ताओं के कौशल और भूमिकाएं 4

जीवन की विशेषताओं और चुनौतियों का परिचय

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–012
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) वयस्कता के महत्वपूर्ण कार्यों में से एक के रूप में परिवार की स्थापना की प्रक्रिया का वर्णन करें। 20

अथवा

किशोरावस्था के विभिन्न चरणों के दौरान संज्ञानात्मक विकास पर चर्चा करें। 20

2) लोगों के मानसिक (psychic) डोमेन में उम्र से संबंधित परिवर्तनों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

कार्य और कार्य जीवन में समायोजन से संबंधित सामान्य और महत्वपूर्ण मुद्दों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) शैशवावस्था के दौरान शारीरिक विकास का वर्णन करें। 10

ख) 'समाजीकरण के मॉडल के रूप में माता–पिता' पर एक छोटा नोट लिखें। 10

ग) बुजुर्गों की सेवाओं का वर्णन करें। 10

घ) बुजुर्गों की चुनौतियों के प्रबंधन में मार्गदर्शन और परामर्श की भूमिका पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) हर्लॉक द्वारा वर्णित जीवन काल के दस चरणों का उल्लेख करें। 5

ख) सहकर्मी संस्कृति का क्या मतलब है? 5

ग) समाज में वयस्कों की प्रमुख सामाजिक भूमिकाओं को सूचीबद्ध करें। 5

घ) जराचिकित्सा परामर्श के संभावित क्षेत्रों पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) किशोरावस्था के विकास में शिक्षकों की भूमिका का वर्णन करें। 5

च) व्यागोत्स्की के सामाजिक–संस्कृति सिद्धांत पर संक्षेप में लिखें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) आक्रामकता 4

ख) विलंबन(delinquency) 4

ग) पालन –पोषण कौशल 4

घ) देखभालकर्ता तनाव 4

ङ) सक्रिय उम्रवृद्धि 4

च) निर्दिष्ट और प्राप्त भूमिका 4

छ) मानव विकास के डोमेन 4

ज) रक्षा तंत्र 4

परामर्श के मनोवैज्ञानिक आधार का परिचय
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–013
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) एरिकसन के मनोसामाजिक विकास के चरणों पर चर्चा करें। 20

अथवा

सिगमंड फ्रायड द्वारा व्यक्तित्व के मनोविश्लेषणात्मक सिद्धांत का वर्णन करें। 20

2) मनोविज्ञान की व्याख्या करें। मनोविज्ञान की प्रमुख शाखाओं, इसके महत्व और अनुप्रयोगों के बारे में विस्तार से बताएं। 20

अथवा

सामाजिक विविधता को परिभाषित करें। भारत में विभिन्न प्रकार की सामाजिक विविधता पर प्रकाश डालिए ।20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) सामाजिक मनोविज्ञान के कार्यक्षेत्र और महत्व पर चर्चा करें। 10

ख) मानसिक विकारों के लिए वर्गीकरण के आईसीडी और डीएसएम प्रणालियों के बीच भेद करें। 10

ग) अभिघातजन्य के बाद के तनाव विकार के लक्षण का चित्रण करें । 10

घ) उदाहरण के साथ मुवक्किल केंद्रित उपचार की व्याख्या करें । 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) अलगाव व्यग्रता विकार के लक्षणों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) व्यक्तित्व के एबीसी सिद्धांत पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ग) आप व्यक्ति–स्थिति विवाद से क्या समझते हैं? 5

घ) एक उदाहरण के साथ भगदड़ विकारों की व्याख्या करें। 5

ङ) डीएसएम के अनुसार खंडित मनस्कता (schizophrenia) के पांच उप–प्रकारों को सूचीबद्ध करें। 5

च) संक्षेप में सामान्यता की आदर्श अवधारणा का वर्णन करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) परामर्श की प्रक्रिया 4

ख) मनोदशा संबंधी विकार 4

ग) समूह सामंजस्य 4

घ) स्टीरियोटाइप 4

ङ) उपचारिक ट्रायड 4

च) पुनरावृति से बचाव 4

छ) जातिवाद का परिणाम 4

ज) विघटनकारी पहचान विकार 4

परामर्श में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की प्रासंगिकता

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–014
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) सामाजिक वैयक्तिक कार्य के घटकों पर चर्चा करें। 20

अथवा

सामाजिक वैयक्तिक कार्य अभ्यास के क्षेत्रों का वर्णन करें। 20

2) साक्षात्कार संरचना के तीन मॉडल संक्षेप में बताएं। अपने क्षेत्र के कार्य अनुभव से उदाहरण के साथ किसी एक मॉडल की व्याख्या करें। 20

अथवा

परिवार की समस्या को हल करने के लिए किन रणनीतियों का सुझाव दिया जा सकता है? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिएः

क) वैयक्तिक कार्य और परामर्श के बीच समानता और अंतर पर प्रकाश डालें। 10

ख) सामाजिक निदान क्या है? इसमें बताए गए चरणों का वर्णन करें। 10

ग) सुनने और देखने के कौशल की व्याख्या करें। सामाजिक कार्य के साक्षात्कार में ये कौशल क्यों महत्वपूर्ण हैं? 10

घ) सामुदायिक भागीदारी के कुछ मॉडल क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिएः

क) मुवक्किल वैयक्तिक कार्य सम्बन्ध की विशेषताओं को सूचीबद्ध करें। 5

ख) संक्षिप्त रूप से गोपनीयता के सिद्धांत की सीमाओं की व्याख्या करें। 5

ग) आधुनिक समाज में व्यक्तियों की समस्याओं के प्रबंधन में वैयक्तिक कार्य की भूमिका क्या है? 5

घ) 'साक्षात्कार' शब्द की व्याख्या कीजिए। साक्षात्कार बातचीत से अलग कैसे होता है? 5

ङ) वैयक्तिक कार्य अभ्यास में रिकॉर्डिंग क्यों जरूरी है? इसके उपयोग बताइए 5

च) एक सामुदायिक कार्यकर्ता की भूमिका को सूचीबद्ध करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिएः

क) भावना की उद्देश्यपूर्ण अभिव्यक्ति का सिद्धांत। 4

ख) सामाजिक निदान 4

ग) मुलाबले(coping) में असफलता 4

घ) वैयक्तिक कार्य अभ्यास का स्वदेशीकरण 4

ङ) परिपत्र प्रश्न 4

च) टीका 4

छ) स्वास्थ्य देखभाल स्थापना में सामाजिक वैयक्तिक कार्य की भूमिका 4

ज) एक सुधारात्मक वैयक्तिक कार्यकर्ता की भूमिका 4

परामर्श के मूल तत्व
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–015
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) परामर्श से आप क्या समझते हैं? परामर्श की आवश्यकता और कार्यक्षेत्र पर चर्चा करें। 20

अथवा

क्या परामर्श सांस्कृतिक बाध्य है? अपने जवाब के लिए कारण दें। 20

2) परामर्श के मनोविश्लेषणात्मक दृष्टिकोणों के बारे में लिखिए। 20

अथवा

परामर्श में खोजपूर्ण चरण की प्रासंगिकता क्या है? 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) परामर्श प्रक्रिया को प्रभावित करने वाले किसी भी दो कारकों के बारे में चर्चा करें। 10

ख) परामर्श की कानूनी मान्यता के बारे में संक्षेप में बताएं। 10

ग) सहायक चिकित्सा के किसी भी दो बुनियादी रणनीतियों का वर्णन करें। 10

घ) बाल केंद्रित प्ले थेरेपी से आप क्या समझते हैं? अपना विश्लेषण दें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) इस तर्क को प्रस्तुत करें कि क्या एक परामर्शदाता विशेषज्ञ या सामान्य परामर्शदाता होना चाहिए 5

ख) परामर्शदाता कार्य के तीन आयाम मॉडल पर संक्षेप में चर्चा करें। 5

ग) 'व्यवहार हस्तक्षेप' शब्द से आप क्या समझते हैं। संक्षेप में बताएं। 5

घ) वैवाहिक चिकित्सा या परिवार परामर्श के चरणों की सूची बनाएं और संक्षेप में लिखें । 5

ङ) परामर्श के दौरान सुनने 'के लिए सबसे आम बाधाओं के बारे में लिखें। 5

च) नैतिकता को परिभाषित करें। क्या परामर्श में नैतिकता की जरूरत है? अपने कारण दें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) कारकफ मॉडल के आधार पर परामर्श के 5 चरण 4

ख) परामर्शदाता द्वारा कानूनी चुनौतियों का सामना करना 4

ग) वास्तविकता उपचार की सीमा 4

घ) संदर्भ का ढांचा 4

ङ) एक प्रभावी परामर्शदाता के व्यक्तिगत गुण 4

च) सूचित सहमति 4

छ) एडलरियन परामर्श के लक्ष्य 4

ज) अभिभावक–परामर्श में अप्रत्यक्ष प्रतिभागी 4

परामर्श के क्षेत्र
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–016
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) विभिन्न स्थापनों में देखभालकर्ता का वर्णन करें । 20

अथवा

सुधार स्थापना में परामर्श सेवाओं के महत्व पर चर्चा करें। 20

2) संक्षेप में युगल परामर्श की व्याख्या करें। इसकी विशेषताओं और विभिन्न चरणों पर चर्चा करें। 20

अथवा

विक्लांगता क्षेत्र में परामर्श के महत्व पर चर्चा करें। । 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) किशोरावस्था में परामर्श के लिए कुछ समर्थक अग्रसक्रिय दृष्टिकोणों की व्याख्या करें। 10

ख) कुछ प्रमुख उपशामक देखभाल सेवाओं पर चर्चा करें। 10

ग) नशामुक्ति में परामर्श के घटकों का वर्णन करें। 10

घ) स्कूली बच्चों के संदर्भ में शैक्षिक परामर्श की आवश्यकता और महत्व पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) एचआईवी / एड्स परामर्श में आवश्यक सिद्धांत क्या हैं? 5

ख) मुवक्किल –केंद्रित परामर्श से आप क्या समझते हैं? 5

ग) तनाव प्रबंधन की तकनीकों को सूचीबद्ध करें। 5

घ) मानसिक स्वास्थ्य की अवधारणा को समझाइए। 5

ङ) संक्षेप में प्रेरणा संवर्धन चिकित्सा (MET) पर चर्चा करें। 5

च) संक्षेप में लिंग– जागरूक उपचार की व्याख्या करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) पुनर्वास परामर्श 4

ख) समय प्रबंधन 4

ग) गैदर (GATHER) दृष्टिकोण 4

घ) एबीसी विश्लेषण 4

ङ) आनुवंशिक परामर्श 4

च) नारीवादी दृष्टिकोण के मूल्य 4

छ) पारिवारिक न्यायालय 4

ज) श्रवण कौशल 4